

अध्याय - 4 | साझेदारी फर्म का विघटन

QUIZ-01

1. फर्म के विघटन का क्या परिणाम होता है?

- A. व्यवसाय पूर्ववत् चलता है
- B. केवल लाभ साझा अनुपात बदलता है
- C. फर्म के व्यवसाय का समाप्त होना
- D. नए साझेदार का प्रवेश (C)

व्याख्या: फर्म का विघटन व्यवसाय के समापन, संपत्तियों के निपटान और देनदारियों के भुगतान का संकेत देता है।

2. साझेदारी अधिनियम, 1932 की किस धारा में फर्म के विघटन को परिभाषित किया गया है?

- A. धारा 4
- B. धारा 13
- C. धारा 39
- D. धारा 48 (C)

व्याख्या: धारा 39 में फर्म के सभी साझेदारों के बीच संबंध समाप्त होने को विघटन कहा गया है।

3. निम्न में से कौन फर्म के विघटन का कारण नहीं है?

- A. एक साझेदार का सेवानिवृत्त होना
- B. सभी साझेदारों का दिवालिया हो जाना
- C. एक साझेदार का प्रवेश
- D. साझेदारों के बीच व्यवसाय बंद करने का समझौता (C)

व्याख्या: नए साझेदार का प्रवेश केवल साझेदारी को पुनर्गठित करता है, विघटित नहीं करता।

4. विघटन पर लाभ या हानि की गणना के लिए कौन-सा खाता बनाया जाता है?

- A. लाभ और हानि खाता
- B. पुनर्मूल्यांकन खाता
- C. परिपोषण खाता
- D. पूंजी खाता (C)

व्याख्या: परिपोषण (Realisation) खाता संपत्तियों के निपटान और देनदारियों के भुगतान से हुए लाभ/हानि को दर्शाता है।

5. विघटन पर हुई हानि साझेदारों द्वारा किस अनुपात में वहन की जाती है?

- A. पूंजी अनुपात में
- B. लाभ अनुपात में
- C. समान अनुपात में
- D. त्याग अनुपात में (D)

व्याख्या: विघटन पर हुई हानि को साझेदारों के लाभ साझा अनुपात में पूंजी खातों में स्थानांतरित किया जाता है।

6. विघटन के समय भुगतान की गई अप्रतिबंधित देनदारियों को किस खाते में डेबिट किया जाता है?

- A. पूंजी खाता
- B. नकद खाता
- C. परिपोषण खाता
- D. आहरण खाता (C)

व्याख्या: अप्रतिबंधित देनदारियों का भुगतान परिपोषण खाते में डेबिट किया जाता है।

7. साझेदार का ऋण किस क्रम में चुकाया जाता है?

- A. पूंजी के बाद
- B. बाहरी देनदारियों से पहले
- C. बाहरी देनदारियों के बाद लेकिन पूंजी से पहले
- D. केवल लाभ होने पर (C)

व्याख्या: साझेदार का ऋण बाहरी देनदारियों के बाद और पूंजी के पहले चुकाया जाता है।

8. निम्न में से कौन परिपोषण खाते में नहीं दिखाया जाता है?

- A. हाथ में नकद
- B. देनदार
- C. लेनदार
- D. स्टॉक (A)

व्याख्या: हाथ में नकद परिपोषण खाते में स्थानांतरित नहीं किया जाता।

9. जब एक साझेदार यथार्थव्यय वहन करने के लिए सहमत हो और फर्म उन्हें चुकाए, तो प्रविष्टि होगी:

- A. परिपोषण खाता डेबिट ; साझेदार पूंजी खाता क्रेडिट
- B. परिपोषण खाता डेबिट ; बैंक खाता क्रेडिट
- C. साझेदार पूंजी खाता डेबिट ; बैंक खाता क्रेडिट
- D. कोई प्रविष्टि नहीं (C)

व्याख्या: जब फर्म साझेदार के स्थान पर भुगतान करती है, तो उसकी पूंजी खाता डेबिट किया जाता है।

10. साझेदार द्वारा लिए गए अप्रतिबंधित परिसंपत्तियों को कहाँ दर्ज किया जाता है?

- A. बैंक खाते में डेबिट
- B. परिपोषण खाते में क्रेडिट
- C. पूंजी खाते में क्रेडिट
- D. परिपोषण खाते में डेबिट (B)

व्याख्या: साझेदार द्वारा लिए गए अप्रतिबंधित परिसंपत्तियों को परिपोषण खाते में क्रेडिट किया जाता है।